sugar factories in the cooperative sector, are generally facing difficulties on account of increased cost of the plant and machinery, as well as erection and installation thereof. Government had set up a Committee to study his problems and to suggest various incentives and other measures for making the new sugar factories economically viable units. The report of this Committee is presently under consideration of the Government.

(c). The Government of Maharashtra have informed that a proposal from a Cooperative Society for the purchase of Kolhapur Sugar Mills has been received by them and to examine the matter, they have constituted a valuation Committee in October 1974.

Additional amount of sugar earmarked for purchase by S.T.C.

2882. SHRI NIMBALKAR: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether the Government are considering raising the free-sale quota of sugar from 30 per cent of the total output to 35 per cent; and

(b) whether a large portion of this additional amount is to be earmarked for purchase by State Trading Corporation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE): (a). The ratio of free sale sugar for 1974-75 season has been raised from 30 to 35 per cent.

(b). The quantity of free sale sugar to be purchased by State Trading Corporation for exports would be determined from time to time after a review of the production trends and the requirements for consumption within the country.

केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर

2883. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय भाषाओं के केन्द्रीय अनुसन्धान, मैसूर ने विभिन्न भाषाओं के अध्यापन कार्य में अनुसन्धान तथा सुधार करने के लिए क्या उपाय किए हैं तथा गत तीन वर्षों के दौरान कितने अनुसन्धानकर्ताओं तथा छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया; और

(ख) इस संस्थान के केन्द्र किन किन स्थानों पर हैं तथा उनके विकास के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग में उपमंत्री (श्री डी० पी० यादव) : (क) और (ख) विभिन्न भारतीय भाषाओं के अध्यापन कार्य में सुधार करने की दृष्टि से, संस्थान इन भाषाओं के अध्यापन के तरीकों में अनुसन्धान करता है, भाषा शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करता है और शिक्षण सामग्री तैयार करता है। संस्थान ने लगभग 1100 भाषा शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया है और 19 सम्मेलनों, सेमिनारों तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया है जिनमें विश्वविद्यालयों, राजकीय तथा गैर-राजकीय संस्थाओं के लगभग 600 अध्येयताओं को प्रशिक्षित किया गया है। संस्थान ने 95 प्रकाशन भी निकाले हैं। संस्थान के केन्द्र भुवनेश्वर, पूना, पटियाला, मैसूर और सोलन में स्थित हैं। संस्थान और इसके केन्द्रों को और विकसित करने की दृष्टि से पांचवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के लिए 150 लाख रुपए के योजनागत प्रावधान का प्रस्ताव है, जब कि चौथी योजना के दौरान लगभग 94 लाख रुपए व्यय किए गए थे।